

डा० गिरजा उरांव
एथोपिएट प्रो०
R.M.C. सासाराम

B.A. III SEMESTER
SESSION-2019-20
SUBJECT PSY PAPER VII
Group - A

4. कर्मचारी तथा कर्मचारी (worker and workman)

आधुनिक उद्योगों के लिए बढ़ती हुई उत्पादन क्षमताओं के लिए एवं सम्पूर्ण औद्योगिक वसावण को अनुकूल बनाने के लिए कर्मचारी एवं कर्मचारी के बीच के संबंधों को मनोवैज्ञानिक होना भी जाने आवश्यक है। जैसे कर्मचारियों के बीच के संबंधों को ठीक किया जाये। इसकी एक मुख्य समस्या है। काला यह है कि इससे उद्योगपालों को लाभ प्राप्त हो जाता है पर राष्ट्रीय स्तरों को अंततः नुकसान पहुँचाता है। उद्योगपालों खास करों को बखूबी समझना है। वह जनता है कि जिस दिन मजदूरों के बीच उच्छ्रान्त हो जायेगी वे इसकी पूंजीपतियों व्यवस्था को तहस-नहस का देंगे। अतः वे कुछ मजदूर नेताओं को विशेष प्रलोभन देकर छूट-सालने का काम करता है उन्हें आपस में लड़ाते हैं कभी-कभी मुठभेड़ों बाजी में भी जौंसा देते हैं। इसके चलते मजदूर संगठन के संघारणों एवं कार्यकर्ताओं की लड़ाई शक्ति समाप्त हो जाती है। शोषण एवं दमन की नीति का सामना करने के प्रहलै ही शक्तिहीन हो जाते हैं। इन लड़ाई स्थितियों से जैसे निपटा जाए इसका अध्ययन औद्योगिक मनोवैज्ञान की एक मुख्य समस्या है।